# Bihar Board Class 6 Sanskrit Notes Chapter 11 गंगा नदी

## गंगा नदी Summary

पाठ – गङ्गा भारतवर्षस्य पवित्रतमा नदी वर्तते। इयं हिमालयस्य गोमुख स्थानात् प्रभवति। बंगोपसागरे गंगासागरनामिके स्थाने इयं सागरजले मिलति।

अर्थ – गंगा भारतवर्ष की अत्यन्त पवित्र नदी है। यह हिमालय के गोमुख स्थान से निकलती है। बंगाल की खाडी में गंगा सागर नामक स्थान पर यह समुद्र जल में मिलती है।

पाठ – गङ्गातटे बहूनि नगराणि सन्ति। अस्माकं बिहारस्य राजधानी पाटलिपुत्रमपि गङ्गायाः तटे स्थितम् अस्ति। गङ्गाजलम् अति पवित्रं भवति। अस्याः जलेन धार्मिक कार्यम् भवति । हिन्दूध विलम्बिनां सर्वेषु शुभकार्येषु गङ्गाजलस्य आवश्यकता

भवति। – गंगा तट पर बहुत नगर हैं। हमारे बिहार की राजधानी पटना भी गंगा के तट पर स्थित है। गंगा का जल बहुत पवित्र होता है। इसके जल से धार्मिक कार्य होता है। हिन्दू धर्म को मानने वालों के सभी शुभ कार्यों में गंगा जल की आवश्यकता होती

पाठ – गङ्गायाम् अनेकाः नद्यः मिलन्ति। तासु यमुना-सरयू गंडकी-कौशिकी प्रभृतयः सन्ति। गङ्गायाः तटे हरिद्वार-प्रयाग-काशी-प्रभृतीनि प्रसिद्ध तीर्थस्थानानि सन्ति। गङ्गाजलेन कृषिभूमेः सेचनं भवति।

अर्थ – गंगा में अनेक नदियाँ मिलती हैं। उनमें यमुना-सरयू-गंडकी, कौशिकी (कोसी) इत्यादि हैं। गंगा के तट पर हरिद्वार-प्रयाग-काशी इत्यादि प्रसिद्ध तीर्थ-स्थल हैं। गंगा जल से कृषि भूमि की सिंचाई होती है।

पाठ – अधुना जनाः गङ्गाजलं प्रदूषितं कुर्वन्ति। गङ्गातटे स्थितानां नगराणां सर्वाणि मलजलानि गङ्गायां पातयन्ति। केचन मनुष्याणां पशूनाञ्च मृतशरीराणि नद्यां प्रवाहयन्ति। इदं न साधु कार्यम् अस्ति। नदीजले मलानां क्षेपणं वैज्ञानिकविचारेण धार्मिकविचारेण च न शोभनम्।

अर्थ – आजकल लोग गंगाजल को गन्दा कर रहे हैं। गंगा किनारे स्थित शहरों के सभी गन्दे जल गंगा में गिराये जाते हैं। कुछ मनुष्यों के और पशुओं के मृत शरीरों को नदी में प्रवाहित किये (बहाये)जाते हैं। यह अच्छा काम नहीं है। नदी के जल में गन्दे वस्तुओं को फेंकना वैज्ञानिक-विचार और धार्मिक-विचार से अच्छा काम नहीं है।

शब्दार्थाः-भारतवर्षस्य – भारतवर्ष के। पवित्रतमा – अत्यन्त पवित्र। वर्त्तते – है। हिमालयस्य – हिमालय के। गोमुखस्थानात् – गोमुख स्थान से। प्रभवति – निकलती है/निकलता है। बंगोपसागरे – बंगाल की खाड़ी में। गंगासागरनामके – गंगासागर नामक (स्थान) में। स्थाने – स्थान में। गंगातटे – गंगा के किनारे पर। बहूनि –


https://www.evidyarthi.in/

बहुत(अनेक)। नगराणि – नगरे। सन्ति – हैं। अस्माकम – हमारे। बिहारस्य – बिहार के। पाटलिपुत्रम् – पटना। अपि – भी। गङ्गायाः – गंगा के । तटे – तीर पर। स्थितम् – स्थित। अस्ति -. है। अति – बहुत। पवित्रम् – पवित्र/ स्वच्छ। भवति – होता है। अस्याः – इसकी । जलेन – जल से। शास्त्रानुसारेण – शास्त्र के अनुसार।

हिन्दूध र्मावलम्बिना – हिन्दू धर्म के मानने वाले। धर्मावलम्बिनाम् – धर्म को मानने वाले । शुभकार्येषु – शुभ कामों में । सर्वेषु – सभी में। गंगायाम् – गंगा में। अनेकाः – अनेक। नद्यः – नदियाँ। मिलन्ति – मिलते हैं। तासु – उनमें। कौशिकी – कोशी। प्रभृतयः – इत्यादि। प्रभृतीनि – इत्यादि(नपु० में)। कृषि भूमेः – कृषि भूमि का। सेचनम् – सिंचाई। अधुना – आजकल। प्रदूषितं – गन्दा। कुर्वन्ति – करते हैं। मलजलानि – गन्दे पानी को। पातयन्ति – गिराते हैं। मनुष्याणाम् – मनुष्यों के । पशूनाज्य – और पशुओं के। मृत शरीराणि – मरे शरीर को । प्रवाहयन्ति – प्रवाहित करते हैं/बहाते हैं। साधु -उत्तम। क्षेपणम् – फेंकना । वैज्ञानिक विचारेण – वैज्ञानिक विचार से । शोभनम् – अच्छा। न – नहीं।


https://www.evidyarthi.in/